

खबर संक्षेप

26 वर्षीय विवाहिता लापता, मामला दर्ज

लोहारू। उपमंडल के एक गांव से 26 वर्षीय विवाहिता के लापता होने का मामला सामने आया है। विवाहिता के पति की शिकायत पर लोहारू पुलिस ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में महिला के पति ने बताया कि उसका विवाह 2019 में हुआ था। विवाहिता अपने गांव जाने की बात कहकर घर से निकली थी। उसके बाद वह घर नहीं लौटी। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला 16 को

भिवानी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भिवानी में 16 जून को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। आईटीआई के प्रधानाचार्य इंद्रसिंह ने बताया कि मेले में मशीनिस्ट, मोटर मैकेनिक व्हीकल, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, मैकेनिक टैक्टर, टेक्नीशियन पावर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, टर्नर, वायरमैन, वेल्डर और कारपेंटर ट्रेड के पासआउट एवं अध्ययनरत छात्र-छात्राएं भाग ले सकेंगे। रोजगार मेले में टोयोत्सु अंबिका ऑटोमोटिव स्पेटी कंपोनेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, यूएनओ मिंडा लिमिटेड और गेब्रियल इंडिया लिमिटेड के अधिकारी अट्रेंसिशन व प्लेसमेंट के लिए चयन करेंगे। 18 से 25 वर्ष आयु के आईटीआई पास युवक-युवतियां मेले में शामिल होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

लाइव लोकेशन का फोटो जल शक्ति मंत्रालय के पोर्टल पर अपलोड होगा

जोहड़, तालाब, गोचर और सरकारी रास्तों की पटवारी करेंगे मैपिंग व रिकार्ड तैयार

फोटो अपलोड होते ही उक्त इलाके की पूरी तस्वीर गूगल पर अधिकारियों के पास पहुंच जाएगी।

हरिभूमि न्यूज»»मिवाणी

शहर, कस्बे व ग्रामीण इलाकों तथा खेतों के जोहड़-तालाब, गोचर भूमि व सरकारी रास्तों पर कब्जा करने वालों के लिए बुरी खबर। जल्द ही इस तरह के लोग सरकार के रेडार पर आने वाले है। चूंकि सरकार के निर्देशों पर हर गांव, कस्बे व शहर में पटवारियों ने मौके पर जाकर इनकी वर्तमान की स्थिति, कितने क्षेत्र में कब्जा, इन जगहों का कुल रकबा(मसाला) के हिसाब से ऑनलाइन किए जाएंगे। साथ ही पटवारी मौके पर पहुंचकर लाइव लोकेशन का फोटो भी केंद्र के जल शक्ति मंत्रालय के पोर्टल पर अपलोड करेगा।

फोटो अपलोड होते ही उक्त इलाके की पूरी तस्वीर गूगल पर अधिकारियों के सामने होंगी। यहां तक कि उक्त जमीन पर किन लोगों



बीते साल कई गांवों में हुए जलभराव से सबक लेते हुए प्रशासन ने शहर गांवों व कस्बों के सार्वजनिक जोहड़ों की सुध लेनी आरंभ कर दी

के अतिक्रमण है। उन सबके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पटवारियों के अलावा कृषि विभाग के भी अधिकारी इस कार्य में लगे हैं। जल्द ही इस अभियान को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार की तरफ से आदेश आने के बाद पटवारी अपने दैनिक कार्य निपटाने के साथ साथ इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निपटा रहे हैं। दूसरी तरफ पटवारियों के जोहड़ तालाब व अन्य जगहों की मौके पर पहुंचकर फोटो खींचने की कार्रवाई के बाद अवैध कब्जाधारकों में हड़कम्प मचा है। खैर वह बात दिगर है कि अवैध कब्जाधारियों पर कब किस वक्त कार्रवाई होगी,लेकिन एक बार

इस जुगाड़ में है कि किस तरह से उनको वैध की अनुमति मिल पाए।

जलभराव से लिया सबक

बीते साल जिस तरह से बारिश के पानी ने कई गांवों के खेतों व रिहायशी इलाकों को डुबोया। उससे सबक लेते हुए प्रशासन ने शहर, गांवों व कस्बों के सार्वजनिक जोहड़ों की सुध लेनी आरंभ कर दी। अब इसी माह इन जगहों पर जितने भी जोहड़ हैं। उन सभी जोहड़ों का डाटा इककठा किया जा रहा है। जोहड़ के नाम कितनी जमीन है और उसका कितना भाग पर पानी और कितना खाली है। इसके अलावा कितने भू भाग पर अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है।

जोहड़ों के खत्म होने से कुएं हो गए फेल

पहले भूमिगत पानी भी बहुत दूर था। जोहड़ों में गर्मी व सर्दी के मौसम में पानी पूरा रहता था। लोग पीने के पानी के लिए जोहड़ के किनारे ही कुएं आदि खुदवाते थे। ताकि वहां पर पीने का पानी मिल सके। धीरे धीरे जोहड़ों का अस्तित्व खतम हो गया और उसके बाद कुओं का भी पानी भी बदलने लगा। कुएं लगातार बेकड़ी का शिकार होने लगे।

खैर अभी तक तो यह जानकारी है कि सरकार इन जोहड़ की भूमि की माकिंग करवा रही है,लेकिन भविष्य में अवैध कब्जाधारियों का क्या होगा। इसकी तो बाद में ही जानकारी मिल पाएगी। बताते हैं कि जब अधिकारी बाद वाले इलाके में धरातल पर गए तो रिकार्ड में जोहड़, लेकिन वहां पर पानी की एक बूंद भी स्टोर नहीं। कई जगहों पर खेतों के जोहड़ों को तोड़कर समतल किया जा चुका, रिहायशी कॉलोनी के अधिकांश जोहड़ों पर अवैध कब्जाधारकों के कब्जे में मिले। अगर इन जगहों पर जोहड़ खुदे हुए होते तो शायद पानी एक दूसरी जगह जाने की बजाए जोहड़ों में इक्कठा हो जाता।

मेलों के माध्यम से अधिक से अधिक योग्य युवाओं को रोजगार दें: एडीसी

हरिभूमि न्यूज»»मिवाणी

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा की अध्यक्षता में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। एडीसी ने आगामी रोजगार मेलों के सुचारू संचालन एवं उनकी रूपरेखा को अंतिम रूप देने बारे निर्देश दिए।

एडीसी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ रोजगार मेलों की तैयारियों, व्यवस्थाओं और आवश्यक बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि

■एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने समीक्षा बैठक में दिए अधिकारियों को निर्देश

जिले के योग्य बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। एडीसी ने कहा कि रोजगार मेलों का आयोजन पूरी तरह व्यवस्थित, पारदर्शी और युवाओं के अनुकूल होना चाहिए ताकि दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न

करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले में भाग लेने वाली प्रतिष्ठित निजी कंपनियों तथा युवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए, जिससे योग्य एवं कुशल युवाओं को रोजगार प्राप्त हो सके।

बैठक में सहायक रोजगार अधिकारी दीपक शर्मा ने एडीसी को रोजगार मेलों की तैयारियों और कार्ययोजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रोजगार मेलों के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएंगी।



हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में 5 से 7 जून तक हुई थी प्रतियोगिता

एसबीकेएफ में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीता

जैवलीन व डिस्कस थो में गोल्ड तथा शॉटपुट में सिल्वर पदक हासिल किए

हरिभूमि न्यूज»»मिवाणी

71 वर्ष की उम्र में अमूमन लोग आराम की जिंदगी चुनते हैं, वहीं पूर्व सैनिक अजीत सांगवान ने खेल के मैदान पर अपनी प्रतिभा का ऐसा लोहा मनवाया, जिसने पूरे प्रदेश को गौरवान्वित कर दिया है।

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में 5 से 7 जून तक आयोजित एसबीकेएफ खेल प्रतियोगिता में सेक्टर-23 निवासी पूर्व नौसैनिक अजीत सांगवान ने दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। मूलरूप से गांव कलियाणा निवासी अजीत सांगवान की स्वर्णिम सफलता से पूरे भिवानी

और विशेषकर सेक्टर-23 में जश्न का माहौल है। अजीत सांगवान ने जैवलीन व डिस्कस श्रो में गोल्ड तथा शॉटपुट में सिल्वर पदक हासिल किए। सांगवान की उपलब्धि पर सेक्टर-23 वेलफेयर एसोसिएशन के पूर्व प्रधान महेंद्र सिंह श्योराण, हरपाल सांगवान, डॉ. जगवंद्र सांगवान, ओमप्रकाश सांगवान, दिलबाग सांगवान, अनिल ठेकेदार व डॉ. जोरेंद्र सांगवान ने खुशी जताई। इस मौके पर सेक्टर-23 वेलफेयर एसोसिएशन के पूर्व प्रधान महेंद्र सिंह श्योराण ने कहा कि अजीत ने ये साबित कर दिया है कि अगर मन में जज्बा और देश के लिए कुछ करने का जुनून हो, तो उम्र महज एक संख्या बनकर रह जाती है। उन्होंने पहले भारतीय नौ सेना में रहकर देश की सीमाओं की रक्षा की और अब खेल के मैदान में पदक जीतकर भिवानी और पूरे हरियाणा का नाम चमकाया है।

युवा पीढ़ी के लिए सीख

71 वर्ष की उम्र में उनकी फिटनेस और खेल के प्रति समर्पण हम सभी खासकर हमारी युवा पीढ़ी के लिए एक बहुत बड़ी सीख है। श्योराण ने कहा कि अजीत ने धर्मशाला में एक के बाद एक तीन पदक अपने नाम किए, तो पूरा खेल स्टेडियम तालियों से गूंज उठा।

पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने काटे तीन चालान

भिवानी। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ० नगर परिषद् भिवानी की टीम ने जेईई चंचल के नेतृत्व में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री एवं पॉलीथिन का उपयोग पर रोक लगाने एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से शहर में विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाया गया। इस दौरान हांसी गेट और घंटाघर चौक क्षेत्र में 4000 रुपए के 03 चालान काटे गए। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी शैलेंद्र अरोड़ा ने बताया कि शहर के प्रमुख स्थानों पर जागरूकता बैनर भी लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से सिंगल यूज प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में आम जनता को जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री एवं पॉलीथिन का उपयोग पर्यावरण के लिए खतरा है। प्रदूषित पर्यावरण से हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने अभियान के दौरान दुकानदारों से अपील की है कि प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथिन का प्रयोग ना करें।

उपाध्यक्ष बिटू राम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर अब 24 जून को होगी बैठक

हरिभूमि न्यूज»»बवानीखेड़ा

पंचायत समिति बवानी खेड़ा के उपाध्यक्ष बिटू राम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर विचार के लिए बुलाई गई बैठक की तिथि में बदलाव किया गया है। पहले यह बैठक 8 जून को आयोजित की जानी थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों से अब यह 24 जून को आयोजित होगी।

एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने ये जानकारी देते हुए बताया कि अविश्वास प्रस्ताव पर विचार करने के लिए अब 24 जून 2026 को सायं 3:30 बजे पंचायत समिति एवं खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय, बवानी खेड़ा में बैठक

■बैठक सायं 3:30 बजे पंचायत समिति एवं खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय, बवानी खेड़ा में बैठक होगी

होगी। इससे पूर्व यह बैठक 8 जून को निर्धारित थी, लेकिन उसी दिन चंडीगढ़ में विकास एवं पंचायत विभाग की राज्य स्तरीय बैठक आयोजित होने के कारण कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति बवानी खेड़ा के सभी सदस्यों को निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर बैठक में उपस्थित होकर अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा एवं मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के निर्देश दिए गए हैं।

सैय में पब्लिक हेल्थ ने 20 अवैध कनेक्शन काटे

हरिभूमि न्यूज»»मिवाणी

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जिला भिवानी के ग्रामीण क्षेत्र में जोर-शोर से शुरू किए गए जल संरक्षण अभियान के तहत घरों का सर्वे करके अवैध कनेक्शन करने वालों के साथ पानी की बर्बादी करने वाले लोगों को विभागीय नोटिस दिए जा रहे हैं विभिन्न गांवों में अधिकारियों ने 1500 से ज्यादा नोटिश जारी कर कार्यवाही शुरू कर दी है। कार्यवाही के तहत अभी तक 200 से ज्यादा अवैध कनेक्शन काटे गए हैं।

सोमवार को गांव सैय में 20 अवैध व अस्वच्छ कनेक्शन काटे गए हैं। पेयजल संरक्षण को लेकर विभाग की टीम घर-घर पहुंची रही हैं विभिन्न गांवों में जिला उपयुक्त



व अधीक्षण अभियन्ता सुनील रंगा के निर्देश पर कार्यकारी अभियन्ता पारीग गर्ग, कपिल देव, सूर्यकान्त, विकास धनखंड तथा उप मण्डल अभियन्ता और जेई की अनुवाही में

घरों के नलों पर टूटी अवश्य लगवाएं

विभाग ने लोगों से अपील की कि वे पीने का पानी का सदुपयोग करें तथा अपने-अपने घरों के नलों पर टूटी अवश्य लगवाएं ताकि पानी को व्यर्थ बहाने से रोका जा सके। अशोक भाटी ने कहा कि पीने के पानी पर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जितने भी गाड़ी धोने के सर्विस स्टेशन लगे हुए हैं उनको स्वयं तुरंत प्रभाव से बंद कर दें। ताकि जिले में पीने के पानी के संकट से बचा जा सके। इसके लिए विभाग टीम बनाकर विद्विस्त करेगा और उनके खिलाफ ठोस विभागीय कार्यवाही करेगा ।

शुरू किये गये अभियान के तहत गांवों में घरों का सर्वे करके अवैध कनेक्शन करने वाले लोगों को नोटिस दिये जा रहे है जलघरो के कमचारी व पंप ऑपरेटर, वासो की टीमों

आधुनिकता की दौड़ में सदियों पुरानी जल विरासत तोड़ रही हैं दम उपेक्षा की मार झेल रहे हैं हमारे प्राचीन कुएं-बावड़ी

दीपक कुमार डुमड़ा»»बवानीखेड़ा

आधुनिकता की दौड़ में बवानीखेड़ा कस्बे की सदियों पुरानी जल विरासत दम तोड़ रही है। कस्बे में मौजूद डेढ़ दर्जन से ज्यादा प्राचीन कुएं, बावड़ी और तालाब उपेक्षा के कारण बदहाल हो चुके हैं। कभी प्यास बुझाने वाले ये जल स्रोत आज खुद पानी को तरस रहे हैं। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि बवानीखेड़ा कस्बे में तीर्थ जोहड़, बड़ा गोरवा, बाबा कमाल मंदिर, रेलवे स्टेशन, वाल्मीकि

मंदिर, दुंदुवा जोहड़ और बसेसर सहित करीब डेढ़ दर्जन कुएं मौजूद हैं। लेकिन इनमें से बड़ा गोरवा और एकाध अन्य को छोड़कर बाकी सभी कुएं सूख चुके हैं या उनका पानी इतना खराब हो गया है कि पिया नहीं जा सकता। कभी इन कुओं के शीतल जल से लोगों का तन-मन शीतल होता था, आज इनकी ओर कोई देखता तक नहीं। स्थानीय बुजुर्ग हनुमान पाराशर, ललित जैन, सुभाष शर्मा, सत्यवान, राजेश कुमार, रमन कुमार, रमेश सिंदवानी, अनूप, गौरव शर्मा आदि



बताते हैं, एक समय था जब महिलाएं सज-संवरकर गीत गाते हुए पनघट पर पानी भरने जाती थीं। कुओं पर मेला सा लगता था। आज

तालाब-बावड़ी भी बदहाल

कस्बे के तालाब और बावड़ियों की स्थिति भी दयनीय है। देखरेख के अभाव में ज्यादातर तालाबों में गंदगी भर गई है। अतिक्रमण के कारण कई तालाबों का अस्तित्व ही खतरे में है। बावड़ियों की सौंदर्य टूट चुकी है और अंदर जहरीले जीव-जंतुओं का बसेरा है। पहले कहावत थी कि प्यास कुएं के पास चलकर जाता है, कुआं प्यासे के पास नहीं आता। लेकिन अब स्थिति उलट हो गई है। घर-घर में पाइप लाइन पहुंचने से कुओं का महत्व खत्म हो गया। गांव में एकाध को छोड़कर सारे कुएं सूने हो गए। कस्बे और आसपास के क्षेत्र में एक समय सैकड़ों कुएं थे, जिन पर पनघट का नजारा देखने लायक होता था। अब प्यासा कुएं के पास नहीं जाता पीने के पानी की पाइपलाइन के पास पहुंचता है।

इन कुओं पर गोबर और कचरे के ढेर हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हैडपंप, नल और नलकूप के आने से कुओं का इस्तेमाल बंद हुआ,

लेकिन भूजल स्तर लगातार गिर रहा है। अगर प्राचीन जल स्रोतों को सहेजा नहीं गया तो आने वाली पीढ़ी के लिए कुआं-बावड़ी किसी अजूबे

से कम नहीं होंगे। समय रहते सुध नहीं ली तो भावी पीढ़ी को पानी खरीदकर पीना पड़ेगा। कस्बावासियों ने मांग की है कि प्रशासन साझा कुओं की मरम्मत करवाकर इन्हें विकसित करे। इससे विरासत भी बचेगी और वर्तमान में पीने के पानी की किल्लत भी दूर होगी। विधायक कपूर वाल्मीकि ने माना कि कस्बे के सभी कुओं और ग्रामीण क्षेत्र के जल स्रोतों की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को लेकर गंभीर है।



हर महिला अपनी लाइफ में सक्सेस चाहती है, वह अपने सारे डिसीजंस स्वयं लेना चाहती है, लेकिन कहीं न कहीं उसके भीतर कुछ संकोच, दुविधाएं होती हैं, जो उसके आगे बढ़ने की राह में बाधक होती हैं। आप कैसे इन बातों से उबरें और स्ट्रॉन्ग होकर सक्सेसफुल वूमेन बनें, आपके लिए फाइव पॉवर पंच।

5 हर वूमेन के लिए पॉवर पंच

कवर स्टोरी शिखर चंद जैन

आज के दौर में महिलाएं हर फील्ड में अपनी पहचान बना रही हैं। सक्सेस की इस दौड़ में खुद को मेंटली और इमोशनल रूप से स्ट्रॉन्ग रखना भी बहुत जरूरी है। इस संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि घर-परिवार, करियर और अपने पर्सनल एंबिशन के बीच बैलेंस बनाने के लिए केवल मेहनत काफी नहीं है, सही विजन और मेंटल क्लीनस भी बहुत जरूरी हैं। एक महिला को असली शक्ति उसके भीतर ही होती है। जब उसकी सोच बदलती है, तो उसकी दुनिया बदल जाती है। हर महिला अगर 5 प्रभावशाली-शक्तिशाली सूत्रों को अपने व्यवहार में उतारें, तो वे देखेंगी कैसे उनका जीवन अधिक संतुलित, सफल और खुशियों से भर उठता है। ये जीवनोपयोगी सूत्र कौन से हैं, जानें-

1. अपनी जगह बनाना सीखें

कॉर्पोरेट वर्ल्ड और पर्सनल लाइफ में महिलाओं को संकोचवश एक अदृश्य खोल में सिमटा हुआ देखा जाता है। अक्सर महिलाएं अपनी योग्यता पर संदेह करती हैं, जिसे



‘इंपोस्टर सिंड्रोम’ कहा जाता है। वे मीटिंग्स में पीछे की चेयर चुनती हैं या अपनी उपलब्धि का श्रेय नहीं लेना चाहतीं। कोई उनकी सराहना करता भी है तो इसका श्रेय वे अपने आपको नहीं अपने भाग्य को देती हैं, लेकिन आगे बढ़ने के लिए जरूरी है कि आप अपनी काबिलियत पर भरोसा करें। डिसीजन लेने वाली एक्टिविटीज में एक्टिव हों। जब तक आप खुद को आगे नहीं बढ़ाएंगी, दुनिया आपको जगह नहीं देगी। यह सीख केवल ऑफिस तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार के महत्वपूर्ण निर्णयों में भी अपनी आवाज बुलंद करने

के लिए इस्पायर करती है। बेस्टसेलर पुस्तक ‘लीन इन’ की लेखिका शेरिल सैंडबर्ग कहती हैं, ‘आप अपनी एंबीशंस के लिए माफी मांगना बंद करें और कॉन्फिडेंस के साथ लीडर की कमान संभालें।

2. फाइनैसियल लिटरेसी बढ़ाएं

फाइनैसियल फील्ड को अक्सर पुरुषों की फील्ड मान लिया



जाता है, जो एक बड़ी भूल है। एक्सपर्ट कहते हैं, असली संपत्ति वह है, जो आपकी जेब में पैसा डाले, न कि बाहर निकाले। महिलाओं के लिए केवल बचत करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पैसों की खेती करना यानी निवेश करना भी अनिवार्य है। चाहे वह स्टॉक मार्केट हो, म्यूचुअल फंड हो या छोटा बिजनेस, पैसे को अपने लिए सही जगह पर लगाना सीखें। ताकि आपका पैसा, और पैसा कमाए। आर्थिक निर्भरता कभी-कभी महिलाओं को गलत स्थितियों में रहने पर मजबूर कर देती है। इसलिए अपनी आय के स्रोत बनाना और अपने फाइनैसियल डिसीजन खुद लेना सेल्फ डिपेंडेंट होने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रसिद्ध फाइनैस एडवाइस बुक ‘थिंक एंड ग्रो रिच’ में राइटर रॉबर्ट कियोसाकी कहते हैं, ‘अपनी ‘फाइनैसियल लिटरेसी बढ़ाएं ताकि आप भविष्य के प्रति सुरक्षित महसूस कर सकें।’

3. अपनी वीकनेस को एक्सेप्ट करें

हम एक ऐसे समाज में रहते हैं, जहां महिलाओं पर ‘परफेक्ट’ दिखने का भारी दबाव होता है। उनसे एक परफेक्ट मां, पत्नी और कर्मचारी बनने की उम्मीद की जाती है। परफेक्शनिज्म एक ऐसा कवच है, जिसे हम चोट से बचने के लिए पहनते हैं, लेकिन यह हमें दूसरों से जुड़ने से रोकता है। असली साहस अपनी वीकनेस को एक्सेप्ट करने में है। बुक ‘द फिफ्ट्स ऑफ इंपरफेक्शन’ की राइटर ब्रेने ब्राउन कहती हैं, ‘जब आप यह मान लेती हैं- मैं जैसी हूं, पर्याप्त हूं, तब आप

दिखावे की थकान से मुक्त हो जाती हैं।’ ब्रेने ब्राउन की सलाह है कि महिलाएं आत्म-करुणा का अभ्यास करें। वे खुद के प्रति उतनी ही दयालु रहें, जितनी वे अपने प्रियजनों के प्रति होती हैं। अपनी खामियां को अपनी विशिष्टता मानें, क्योंकि वे ही आपको ‘ईसान’ बनाती हैं। यह सूत्र मानसिक शांति और गहरे आत्म-सम्मान का आधार है।

4. छोटी आदतों का बड़ा जादू

अक्सर महिलाएं अपने हेल्थ या करियर में बड़े बदलाव लाने की कोशिश करती हैं, असफल होने पर निराश हो जाती हैं। ‘एटॉमिक हैबिट्स’ के राइटर जेम्स क्लियर सिखाते हैं कि लक्ष्य से ज्यादा ‘सिस्टम’ महत्वपूर्ण है। यदि आप रोज केवल एक प्रतिशत खुद में सुधार करती हैं, तो साल के अंत में आप 37 गुना बेहतर बन सकती हैं। इसे ‘एटॉमिक हैबिट्स’ कहते हैं। अगर आप फिट रहना चाहती हैं, तो पहले दिन एक घंटा जिम जाने के बजाय केवल पांच मिनट टहलने की आदत डालें। ‘हैबिट स्टैकिंग’ का प्रयोग करें, जैसे सुबह की चाय पीते समय दो पन्ने बुक पढ़ना। ये छोटे बदलाव समय के साथ कंपाउंडिंग ब्याज की तरह बढ़ते हैं और आपके व्यक्तित्व का



हिस्सा बन जाते हैं। बड़े लक्ष्यों को छोटे, आसान कदमों में बांटकर आप बिना तनाव के बड़ी सक्सेस पा सकती हैं।

5. अपनी पहचान अपने ढंग से बनाएं

हमें अपनी पहचान दूसरों की नजरों से तय नहीं करनी चाहिए। आप एक मां, बेटी या पत्नी होने से कहीं बढ़कर हैं। अपनी जड़ों का सम्मान करें, लेकिन अपनी पहचान को किसी एक भूमिका में सीमित न होने दें। चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी आवाज और पहचान ढूँढना ही जीवन का असली उद्देश्य होना चाहिए। यह कभी न भूलें कि आपको परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, आपकी मेहनत और आपके विचार ही आपका भविष्य तय करते हैं।

बच्चे जीवन में हों सफल इसके लिए शुरू से सिखाएं ये बातें

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं, उनके बच्चे जीवन में सफल रहें, एक अच्छा मुकाम पाएं। इसके लिए जरूरी है वे शुरू से बच्चों को कुछ उपयोगी सीखें दें। इन सीखों से बच्चे जरूर जीवन में सफल रहेंगे।

परवरिश रजनी अरोड़ा

सही पैरेंट्स यही चाहते हैं, उनका बच्चा बड़े होकर डरपोक नहीं, मजबूत बने, अपनी समझ से सही फैसले ले। इसके लिए पैरेंट्स का अपने बच्चों को कुछ बातें सिखानी जरूरी हैं ताकि वे अंदर से स्ट्रॉन्ग और कॉन्फिडेंट बनें। जो बच्चा समझदार और अंदर से मजबूत होगा, वह कभी भी कमजोर नहीं साबित होगा, जीवन में सफल रहेगा।

सही काम करने के लिए प्रेरित करें:

बच्चों को बताएं हमेशा सही काम करें। सही काम इसलिए करो कि खुद पर गर्व हो। दूसरों को दिखाने के लिए अच्छा मत बनो। अच्छा इसलिए बनो कि दिन बीतने के बाद जब अपने बारे में सोचो तो गर्व महसूस हो। बच्चों को समझाएं कि चरित्र ही ईसान की असली ताकत होती है।

अपने आपको समझना जरूरी: बच्चे को बताएं कि सबको खुश करना जरूरी नहीं है। हर ईसान तुम्हारी इज्जत या दोस्ती के लायक नहीं होता। अपने आपको समझना जरूरी है, जो अपने आपको समझता है, वह दुनिया में मजबूती से खड़ा रहता है।

समझदारी से दोस्त बनाएं:

बच्चों को दोस्तों की परख करना सिखाएं कि अच्छे दोस्त आगे बढ़ाने में मददगार होते हैं। वह जिनके आस-पास रहता है, वे या तो उसे आगे बढ़ाएं या नीचे गिराएं। इसलिए समझदारी से दोस्त बनाएं।

अपनी हेल्थ से बड़ा कुछ नहीं: बच्चों को समझाएं कि दोस्तों के प्रभाव में आकर किसी खराब आदत को न अपनाएं। मोबाइल की लत, झूठ बोलना, आलस करना सही नहीं है। आज की छोटी गलती कल की बड़ी परेशानी या एडिक्शन बनते देर नहीं लगेगी। बच्चों को समझाएं कि हेल्थ उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए अनहेल्दी हैबिट्स से दूर रहें।

सतर्कता से छोटे-छोटे डिसीजन लें: बच्चे को बताएं कि उसे अपने लेबल पर रोज छोटे-छोटे डिसीजन लेने पड़ते हैं। उस वक्त सिर्फ इतना याद रखना जरूरी है कि उसके द्वारा लिए गए डिसीजन से ही उसका परिणाम तय होता है। वो परिणाम पॉजिटिव भी हो सकता है और



नेगेटिव भी। इसलिए कोई भी डिसीजन लेने से पहले अच्छी तरह विचार जरूर कर लें।

न बोलना सिखाएं: अगर कुछ गलत लगे, मन न माने, डर लगे तो उसे न बोले। न कहना गलत या शिष्टाचार के विरुद्ध नहीं, अपनी इज्जत और सुरक्षा की निशानी है।

लक्ष्य जरूर तय करें: बच्चे को बताएं कि तुम्हारे पास एक लक्ष्य होना जरूरी है कि तुम भविष्य में क्या बनना चाहते हो? अगले एक-दो वर्ष में किस दिशा में आगे बढ़ना चाहते हो? लेकिन ध्यान रखो कि कोई फाइनल

डिसीजन अभी नहीं लो, क्योंकि कई बार अनचाहे हालातों के कारण या किसी दूसरे कारणों से लक्ष्य बदलने भी पड़ते हैं।

रातों-रात सफलता नहीं मिलती: बच्चों को बताएं कि रातों-रात सफल होना एक भ्रम है। हुरर शुरूआत दिलाता है, डिसीजन अभी नहीं लो, क्योंकि कई बार अनचाहे हालातों के कारण या किसी दूसरे कारणों से लक्ष्य बदलने भी पड़ते हैं।



अनुशासन आगे बढ़ाता है। सिर्फ टैलेंट काफी नहीं होता, जो निरंतर मेहनत करता है, छोटे-छोटे प्रयास करता है, वही आगे बढ़ता है, सफल होता है। जो भी करो, पूरी लगन से करो।

असफलता से सीख लें: किसी काम में अगर असफल होते हो तो यह समझना जरूरी है कि असफल क्यों हुए, इससे क्या सीखा? असफलता का जीवन और करियर पर क्या असर पड़ा? बच्चों को यह भी बताएं कि असफलता बुरी बात नहीं है। असफलता का मतलब बहार नहीं, एक सबक है। जिस बच्चे को यह बात समझ में आ जाएगी, वो कभी भी असफलता से नहीं डरेगा।

(होली फैमिली अस्पताल, दिल्ली की सीनियर साइकोलॉजिस्ट डॉ. मंजू मेहता से हुई बातचीत पर आधारित)

गार्डनिंग अनु आर.

पूरे सप्ताह किचन, ऑफिस, बच्चों और घर के दूसरी तमाम जिम्मेदारियों के बीच बर्किंग वूमेन के लिए संडे का दिन आराम करने के लिए फिक्स माना जाता है। लेकिन अब बड़ी संख्या में महिलाएं रविवार को काफी समय गार्डन केयर में बिताती हैं। वे ‘संडे गार्डन टाइम’ को मानसिक शांति और खुशी पाने का नया तरीका मानने लगी हैं। बालकनी में लगे पौधों को पानी देना, पौधों के आस-पास की सूखी पत्तियां हटाना, उनकी ट्रिमिंग करना, नए बीज बोना और उनके अंकुरण का बेसब्री से इंतजार करना, कुछ देर पौधों के बीच गुजरना, अब यह सिर्फ शौक नहीं रहा, आज के दौर में भी टाइम का हिस्सा भी बन गया है।

पौधों के साथ मिले सुकून: गार्डनिंग से मिलने वाली खुशी के लिए अनेक महिलाओं ने सीमित स्थान पर ही सही घर के छोटे-छोटे हिस्सों में अपना एक हवा-भरा कोना बसाना शुरू कर दिया है। किसी के यहां छत पर सब्जियां उग रही हैं, तो किसी की बालकनी ताजी धनिया और पुदीने से महक रही है। गार्डन में खुद के लगाए पौधे से सब्जी तोड़ना, एक ऐसा सुकून का एहसास देता है, उतनी ही खुशी देता है, जितनी अपने लिए मनपसंद साड़ी खरीदने में मिलती है। यही वजह है कि अब बहुत सी महिलाएं संडे को मोबाइल और टीवी से दूरी बनाते हुए अच्छा-खासा समय पौधों के बीच या कहीं हरियाली के साथ सुकून में बिताती हैं। पौधों के बीच समय गुजारने से न सिर्फ तनाव कम होता है बल्कि मिट्टी को छूने, पौधों की देखभाल करने और नई पत्तियों को उगते देखने से मन में सकारात्मकता का प्रवाह भी होता है। इन्होंने फायदों को वजह से इन दिनों गार्डनिंग थैरेपी भी काफी कारगर साबित हो रही है, जो मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक मानसिक

वर्किंग वूमेन के बीच गार्डनिंग का नया ट्रेंड ‘संडे गार्डन रूटीन’ तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसकी कई वजहें हैं। एक तो इससे आपकी गार्डनिंग हॉबी को टाइम मिलता है, दूसरा इसका पॉजिटिव इफेक्ट आपकी मेंटल और इमोशनल हेल्थ पर भी पड़ता है। इसके बारे में जानकर आप भी इसे जरूर फॉलो करेंगी।

संडे गार्डन रूटीन का बढ़ता ट्रेंड हॉबी के साथ सेल्फ केयर



थकान दूर करने का एक सरल तरीका है। दिलचस्प बात यह है कि इस ट्रेंड में घरेलू और काम-काजी महिलाएं दोनों के बीच किसी किस्म का भेदभाव नहीं है। काम-काजी महिलाओं के लिए जहां सप्ताह भर की भाग-दौड़ के बाद गार्डन टाइम डिजिटल डिटॉक्स बन जाता है, वहीं घरेलू महिलाओं के लिए भी रोजमर्रा के काम से अलग यह उनकी निजी पसंद या ‘हॉबी’ होता है। सोशल मीडिया पर पॉपुलर: इन दिनों सोशल मीडिया पर भी ‘संडे गार्डन रूटीन’ काफी पॉपुलर हो रहा है। बहुत सी महिलाएं फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर अपने पौधों की तस्वीरें, जैविक खाद बनाने के तरीके और छोटी-छोटी गार्डन सेट-अप साझा करती हैं। इससे उन महिलाओं को भी प्रेरणा मिलती है, जो अभी तक इस ‘संडे गार्डन रूटीन’ से दूर हैं। इसलिए बढ़ रहा ट्रेंड: गार्डनिंग के इस ट्रेंड के पॉपुलर होने की वजह यह है कि यह आपके और फैमिली मेंबर्स की हेल्थ के लिए भी लाभकारी होता



स्किन केयर शहनाज हुसैन, ऑनकोलॉजिस्ट

वर्मी के मौसम में तेज धूप, धूल भरी गर्म हवाएं और पसीने की वजह से हमारे पैरों का रंग टैन होने लगता है। इससे उनकी खूबसूरती डल हो जाती है। अगर आप भी इस प्रॉब्लम से परेशान हैं तो कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से इस मौसम में भी अपने पैरों को सुंदर और सॉफ्ट बनाए रख सकती हैं।

स्क्रबिंग: पैरों की टैनिंग हटाने के लिए टूथपेस्ट, सोडा, नीबू के रस से बना पैक काफी मददगार साबित होता है। बेकिंग सोडा और नीबू, स्किन को एक्सफोलिएट करने में मदद करेगा। नीबू में मौजूद विटामिन-सी त्वचा पर हाइपर पिगमेंटेशन की समस्या को दूर करने में मदद करता है। कांच की कटोरी में थोड़ा सा टूथपेस्ट लें। इसमें एक चम्मच



बेकिंग सोडा और आधा नीबू का रस मिलाएं। इन तीनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें और ब्रश की मदद से इसे पूरे पैरों पर लगाएं। अब नीबू के छिलके से पैरों को कुछ त्वचा पर हाइपर पिगमेंटेशन की समस्या को दूर करने में मदद करता है। कांच की कटोरी में थोड़ा सा टूथपेस्ट लें। इसमें एक चम्मच

लगाने से पूरी तरह से टैनिंग से छुटकारा पाया जा सकता है।

नीबू और खीरा: खीरे को कद्दकस या ब्लेंड करके रस निकाल लें। इसमें कुछ बूंदें नीबू के रस की मिलाकर अच्छी तरह मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को कंटैन बॉल की मदद से पैरों की टैनिंग की जगह पर लगाकर

लगभग 15 मिनट बाद ताजे साफ पानी से धो डालें। बेसन-दही: दही और बेसन को एक साथ अच्छे से मिलाकर पैरों पर 30 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पैर धो लें। दही पैरों को मॉयश्चराइज करेगा और बेसन टैनिंग को हटाने में असरदार साबित होगा।



मास्क: एक मध्यम आकार के आलू का रस निकालकर इसमें एक बड़ा चम्मच दही मिला लें। इसमें एक छोटा चम्मच बेसन मिला लें। इसमें एक चम्मच नीबू का रस और आधा चम्मच शहद मिला लें। अब आप पैरों को अच्छी तरह धो लें और सुखने दें। इसके बाद इस मास्क को पूरे पैरों में लगाकर आधे घंटे बाद हल्के-हल्के रगड़ते हुए हटा लें। इससे डेड स्किन हट जाएगी। अब पैरों को पानी से धो लें और मॉयश्चराइजर लगा लें।

टैन रिमूविंग पेस्ट: इसे बनाने के लिए एक कटोरी में गर्म पानी लें। इसमें ईनो पावडर डालें, फिर 1 चम्मच नीबू का रस डालें। इसमें नारियल का तेल, शैंपू की कुछ बूंदें, 1 चम्मच कॉफी पावडर, 2 चम्मच आटा मिस्र कर लें। अब इसे टैनिंग वाले एरिया पर 10 मिनट तक रगड़ें, फिर साफ पानी से धो लें।

ज्यादा असरदायक है बेल का शर्बत। बेल को आयुर्वेद में शीतल प्रकृति का माना गया है। इसमें फाइबर, विटामिन, मिनरल्स की प्रचुर मात्रा होती है। गर्मी के दिनों में यह शरीर को ठंडा रखता है, लू से बचाता है और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं पर रामबाण की तरह असर करता है।

पुदीना है फायदेमंद: पुदीना गर्मी से राहत दिलाने का कारगर साधन है। पुदीना शरीर को ताजगी देता है। नीबू और काला नमक मिलाकर अगर पुदीना के रस का सेवन करें तो यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। यही कारण है कि सड़क किनारे मिलने वाली पारंपरिक शिकंजी या जलजीरा आज भी लोगों की पहली पसंद बना हुआ है।

आम पना: आम पना लंबे समय से उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में गर्मी से राहत दिलाने वाला स्वादिष्ट पेय माना जाता है। कच्चे आम से बनने वाला यह स्वादिष्ट पना, हमें हीट स्ट्रोक से बचाने में बहुत कारगर है। इसमें नमक, गुड़, भुना जीरा, थोड़ी काली मिर्च या भुनी हुई लाल मिर्च डालकर बनाने से यह बेहद स्वादिष्ट तो लगता ही है, शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को अच्छे ढंग से पूरा करता है। यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों ही नहीं शहरी क्षेत्रों में भी आम पना खूब पिया जाता है।

तपती गर्मियों से राहत दिलाएं ये पारंपरिक स्वादिष्ट पेय

सजेशन संध्या सिंह

आज के डिजिटल दौर में फिर से वही पुराने भारतीय हर्बल पेयों की मांग गर्मी से राहत दिलाने के लिए बढ़ रही है, जो कभी नानी-दादी के जमाने में गर्मी से बचाने का अकेला सहारा हुआ करते थे। कभी गांवों की रसोई में सहज रूप से उपलब्ध बेल का शर्बत, सौंफ का पानी, आम का पना, जौ-चना का सattu, पुदीना और खस के पेय, नॉर्मल हुआ करते थे। आज ये सब इसलिए लौटकर तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इन पेय पदार्थों में सचमुच फिलचिलाती गर्मी से राहत पहुंचाने का शानदार गुण होता है। जानकार मानते हैं कि ये पेय सिर्फ शरीर को ठंडा ही नहीं रखते और न ही सिर्फ पाचन सुधारते हैं बल्कि हमें लू से भी बचाने के साथ लगातार ऊर्जावान भी बनाए रखते हैं। इसलिए आजकल फिर से डॉक्टर और खान-पान के

सजेशन संध्या सिंह

ज के डिजिटल दौर में फिर से वही पुराने भारतीय हर्बल पेयों की मांग गर्मी से राहत दिलाने के लिए बढ़ रही है, जो कभी नानी-दादी के जमाने में गर्मी से बचाने का अकेला सहारा हुआ करते थे। कभी गांवों की रसोई में सहज रूप से उपलब्ध बेल का शर्बत, सौंफ का पानी, आम का पना, जौ-चना का सattu, पुदीना और खस के पेय, नॉर्मल हुआ करते थे। आज ये सब इसलिए लौटकर तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इन पेय पदार्थों में सचमुच फिलचिलाती गर्मी से राहत पहुंचाने का शानदार गुण होता है। जानकार मानते हैं कि ये पेय सिर्फ शरीर को ठंडा ही नहीं रखते और न ही सिर्फ पाचन सुधारते हैं बल्कि हमें लू से भी बचाने के साथ लगातार ऊर्जावान भी बनाए रखते हैं। इसलिए आजकल फिर से डॉक्टर और खान-पान के



ये भी होते हैं फायदे

- आम का पना लू लगने से बचावने में बहुत कारगर होता है।
- जौ का सattu गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखता है।
- पुदीना शिकंजी शरीर को ताजगी देती है और इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाती है।
- बेल का शर्बत लू और पेट की गर्मी से राहत दिलाता है।
- सौंफ का पानी पाचन बेहतर करता है और शरीर को ठंडक प्रदान करता है।
- खस का शर्बत शरीर की गर्मी कम करने में मददगार है।

विशेषज्ञ गर्मियों में इन देसी पेयों के अधिक से अधिक सेवन की सलाह देते हैं।

बेल का शर्बत: इनमें सबसे खास और

भक्ति और पर्यावरण का अनूठा संगम : श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम पर हरित यज्ञ का शंखनाद

श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में भक्तों ने लगाए पौधे और संरक्षण की शपथ भी ली

सुदामा चरित के माध्यम से उन्होंने समाज को सच्ची मित्रता की परिभाषा सिखाई।

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी

भीम स्टेडियम के समीप सदर थाना के पास स्थित शिव मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम व सातवें दिन सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक चेतना का एक अभूतपूर्व संगम देखने को मिला। कथा व्यास अनीता शास्त्री (शांडिल्य) के मुखारविंद से प्रवाहित हरि कथा के अमृत रस ने जहां संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय कर दिया, वहीं इस धार्मिक अनुष्ठान को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़क एक नई सामाजिक मिसाल पेश की गई। कथा के अंतिम दिन ज्ञान यज्ञ के साथ-साथ हरित यज्ञ का भव्य शुभारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया और उनके संरक्षण की शपथ भी ली।

शास्त्रों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यदि हमारे आसपास के वृक्ष हरे-भरे रहेंगे, तभी हमारे जीवन में वास्तविक हरीतिमा अर्थात सुख-समृद्धि और खुशहाली कायम रह सकती है। कथा के समापन पर पाण्डाल में मौजूद सभी भक्तों और धर्मप्रेमियों को कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी संतान की भांति देखभाल करने का दृढ़ संकल्प दिलाया गया। सातवें दिन की कथा का मुख्य



मिवानी। कथा के दौरान प्रवचन करते हुए।

फोटो : हरिभूमि

आकर्षण भगवान श्री कृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा का चरित्र रहा। सुदामा चरित के माध्यम से उन्होंने समाज को सच्ची मित्रता की परिभाषा सिखाई। उन्होंने भावुक कर देने वाले भजनों के साथ बताया कि वास्तविक मित्रता में अमीरी, गरीबी, जाति या वर्ग का कोई स्थान नहीं होता। सुदामा की निर्धनता और निष्काम भक्ति पर रीझकर भगवान द्वारकाधीश ने जिस प्रकार अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, वह संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्पद है। इस दौरान सुदामा चरित की अत्यंत नयनाभिराम और सजीव झांकियां निकाली गईं, जिस पर श्रद्धालुओं ने जमकर पुष्पवर्षा की तथा भावविभोर होकर नृत्य व गीतों की प्रस्तुतियां दीं। कथा प्रसंग को आगे बढ़ाते

हुए कथा व्यास अनीता शास्त्री ने गोपियों द्वारा गाई गई दिव्य स्वरलहरी का अत्यंत सुंदर एवं मार्मिक चित्रण किया। कथा के दौरान अनीता शांडिल्य ने समाज को हर प्रकार के कलकों से मुक्त करने वाली पावन स्वयंतक मणि की कथा का सविस्तार श्रवण कराया। इसके साथ ही उन्होंने रुक्मिणी प्रसंग, प्रद्युम्न जन्म, दुराचारी शम्भासुर वध, तथा जरासंध और शिशुपाल वध के आध्यात्मिक कारणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अहंकार और बुरी संगति मनुष्य का सर्वनाश कर देती है। भगवान का सच्चा भक्त संसार के तमाम दायित्वों को निभाते हुए भी कभी फंसा करता।



मिवानी। आयोजित श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ करवाते हुए।

फोटो : हरिभूमि

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का आगाज

मिवानी। छोट्टी काशी मिवानी के बाग कोठी के नजदीक, टाईरान पाना स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में सोमवार से सात दिवसीय श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ का अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ शुभारंभ हो गया। इस धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन लीलाराम प्रजापत एवं समस्त प्रजापत परिवार द्वारा करवाया जा रहा है। कथा के पहले दिन आयोजित भव्य कलश यात्रा में उमड़े जनसैलाब ने पूरे क्षेत्र को भक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। श्रीमद भागवत कथा के भव्य शुभारंभ पर मुख्य यजमान के तौर पर पहुंचे प्रदेश के पूर्व मंत्री डॉ. वासुदेव शर्मा, उनकी धर्मपत्नी ममता शर्मा और उनके पौत्र नैतिक शर्मा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और व्यास पीठ से आशीर्वाद लिया। सोमवार सुबह मंदिर परिसर से कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने परिपूरित वेशभूषा में सिर पर मंगल कलश धारण कर मिवानी की परिक्रमा की। भजनों की धुन और जय श्री कृष्ण के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। कलश यात्रा के उपरान्त मुख्य कथा का शुभारंभ हुआ, जिसमें सुप्रसिद्ध कथाव्यास नरेश चंद्र शास्त्री अपनी सुमुग्ध वाणी से श्रद्धालुओं को भागवत महापुराण के दिव्य प्रसंगों का रसगान करा रहे हैं। शास्त्री ने पहले दिन भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए उपस्थित जनसमूह को कथा श्रवण के नियमों और इसके महत्त्व से अवगत कराया। इस अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में शिरकत करने पहुंचे पूर्व मंत्री डा. वासुदेव शर्मा ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा कोई सामान्य आयोजन नहीं, बल्कि साक्षात् भगवान कृष्ण का वागमय स्वरूप है। आज की भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण जिंदगी में जहां इंसान शांति की तलाश में भटक रहा है।

वैश्य कॉलेज परिवार ने मीठे दूध के शरबत की लगाई छबील

छबील लगाना सांस्कृतिक परंपराओं एवं मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक: डॉ. संजय

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी



मिवानी। वैश्य कॉलेज के बाहर मीठे दूध के शरबत की छबील लगाकर लोगों को पानी पिलाते अजय गुप्ता व संजय गोपाल।

ठंडा पानी, मीठे दूध के शरबत पिलाने व कुछ विशेष चीजें दान करने से जीवन में खुशहाली आती है और अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। गुप्ता ने इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों,

कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं समाजसेवियों का आभार जताया। इस अवसर पर राहगीरों व वाहन चालकों को मीठे दूध का शरबत पिलाकर पुण्य कमाया और साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा।

पानी की बर्बादी रोकने के लिए चलाया जागरूकता अभियान

बहल। गर्मी के मौसम में बढ़ रही पानी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की बर्बादी रोकने के लिए सघन अभियान चलाया। इस दौरान बहल क्षेत्र के गांवों में विभाग की टीम ने लोगों को पानी बचाने के लिए प्रेरित किया और पानी की लाइन में अवैध कनेक्शन लगाने वालों को नोटिस थमाए। अभियान का संचालन विभागीय अधिकारियों की देखरेख में हुआ, जिसमें मुख्य रूप से उपमंडल अभियंता प्रविन्द्र कुमार, कनिष्ठ अभियंता सुनील कुमार, अनुज, रजनीश, विक्रम, बीआरसी किरण बाला सहित अन्य कर्मचारियों ने पानी बचाने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

सैनी कल्याण परिषद ने लगाई दवाई दान पेटी जरूरतमंद मरीजों के लिए काफी मददगार साबित होगी : डॉ.रघुबीर

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी

सैनी कल्याण परिषद ने चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल की इमरजेंसी में जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए दवाई दान पेटी लगाई। इस पहल का उद्देश्य उन जरूरतमंद मरीजों तक दवाइयों पहुंचाना है, जो दवाईयां लोगों के घरों में उपयोग में नहीं आ रही हैं और जिनकी एकसप्ताहरी डेट बची हुई है। इस अभियान का शुभारंभ सीएमओ डॉ. रघुबीर शांडिल्य ने किया।

डॉ. शांडिल्य ने कहा कि मुहिम गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए काफी मददगार साबित होगी, कई बार मरीज दवाइयों के अभाव में परेशानी झेलते हैं, ऐसे में समाज के सहयोग से



मिवानी। अस्पताल की इमरजेंसी में लगाई दवा दान की पेटी में दवाई डालते सीएमओ डॉ. शांडिल्य व अन्य।

फोटो : हरिभूमि

शुरू की गई पहल मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। परिषद के उपप्रधान एवं रक्तदान प्रभाषी ओमप्रकाश सैनी ने कहा कि संस्था अभियान को बड़े स्तर पर चलाएगी, ताकि कोई भी जरूरतमंद मरीज

दवाइयों के अभाव में परेशान न हो। उन्होंने लोगों से अपील की कि जिन परिवारों के पास उपयोग में न आने वाली एवं सुरक्षित अवधि वाली दवाइयां हैं, वे उन्हें दान पेटी में डालकर जरूरतमंदों की मदद करें।

समाजसेवा जारी रहेगी

संस्था के सदस्य स्वयं दवाइयां एकत्रित करते हैं सहयोग करेगे। उन्होंने कहा कि परिषद हमेशा रक्तदान, नेत्रदान, अंगदान और अन्य जनहित कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेती रही है और आगे भी समाजसेवा के कार्य लगातार जारी रहेगी। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राजकुमार सैनी, फूलसिंह सैनी, चिरंजीलाल सैनी, सुभाषचंद्र सैनी, सुरेंद्र सैनी व मास्टर कमीज सैनी आदि उपस्थित रहे।

सैनी ने बताया कि किसी व्यक्ति को अस्पताल तक पहुंचने में परेशानी होती है तो वह दान पेटी पर लिखे नंबर पर संपर्क कर सकता है।



शिविर में 36 युवाओं ने किया रक्तदान

बहल। स्व. पुरुषोत्तम शर्मा की तृतीय पुण्यतिथि पर बहल युवा एकता संगठन के तत्वावधान में सोमवार को परशुराम धर्मशाला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के युवाओं और समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानव सेवा के इस महायज्ञ में अपनी सहभागिता निभाई। शिविर में रक्त की 36 यूनिट्स एकत्रित की गई। कार्यक्रम में मार्केट कमेटी चेयरमैन रवि महमिया ने रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, क्योंकि इससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिलता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए। महंत विकास गिरी महाराज ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ी सेवा है। बहल युवा एकता संगठन के प्रधान योगेश शर्मा ने बताया कि संगठन द्वारा यह 46 वां शिविर है। इस अवसर पर सरपंच साधुराम पनियाह, डॉ. एनपी गौड़, प्रमोद अग्रवाल, जेपी कौशिक, राजेंद्र शर्मा, पवन पेंवाल, महेश शर्मा, मुकेश शर्मा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

घरेलू सिलेंडर के दाम बढ़ाना गरीब एवं मध्यम वर्ग की जेब पर डाका

विपक्षी दल कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी

देश में लगातार बढ़ती महंगाई एवं हाल ही में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में की बेतहाशा बढ़ोतरी को लेकर चौतरफा आक्रोश फूट पड़ा है। आमजन की कमर तोड़ती मूल्यवृद्धि के खिलाफ मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी कड़ी में वरिष्ठ कांग्रेस नेता धीरज सिंह ने सरकार की आर्थिक नीतियों पर तीखा हमला

गृहणियों का बजट पूरी बिगड़ा

सिलेंडर के बढ़े दामों ने देश की गृहणियों का बजट पूरी बिगड़ दिया है। धीरज सिंह ने सरकार की महत्वाकांक्षी उज्ज्वला योजना को बड़ा छलावा बलाते हुए कहा कि गाम्भीर्य हलाकों में आज फिर से धुआं एवं बीमारियां लौट आई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विज्ञापनों में मुफ्त कनेक्शन की वाहवाही लूटती है, लेकिन 900 पार कर चुके सिलेंडर को दोबारा रीफिल करवाने की हैसियत आज गरीब परिवार की नहीं रह गई है। धीरज सिंह ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि अगर सरकार ने बढ़े हुए दाम तुरंत वापस नहीं लिए और महंगाई पर लगाम नहीं लगाई तो कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी।



बोलते हुए इसे गरीब एवं मध्यम वर्ग की रसोई पर सरकारी डकेती करार दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धीरज सिंह ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार का

बहाना बनाकर हर दूसरे महीने घरेलू गैस के दाम बढ़ा रही है, लेकिन जब वैश्विक स्तर पर कीमती गिरती है तो उसका फायदा जनता को क्यों नहीं दिया जाता।

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी

योगाचार्य जेई बिजेश जावला ने अपनी माता स्वर्गीय शांति देवी की दसवीं पुण्यतिथि पर सेवा, संस्कार एवं आध्यात्मिकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर गोसेवा, गीता पाठ, सत्संग, पौधरोपण एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम किए। कार्यक्रम की शुरुआत संजय परमार की गोशाला में गोवंश के लिए निःशुल्क दवाइयां, गुड़ व चारा देकर की। इस दौरान योगाचार्य जेई बिजेश जावला ने कहा कि उनकी माता स्वर्गीय



मिवानी। जेई बिजेश जावला की माता शांति देवी की स्मृति में पौधरोपण करते पर्यावरण प्रेमी।

फोटो : हरिभूमि

शांति देवी ने उन्हें बचपन से ही सेवा, परोपकार, धार्मिक आस्था एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी के संस्कार दिए। वे उन्हीं की प्रेरणा से

सामाजिक, धार्मिक एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में निरंतर सक्रिय हैं। जावला ने कहा कि मां का कर्ज कोई भी संतान कभी नहीं उतार

सकती, लेकिन उनके बताए मार्ग पर चलकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अवश्य दी जा सकती है। इसके उपरान्त महम रोड स्थित जनस्वास्थ्य विभाग परिसर में उनके निवास स्थान पर श्रीकृष्ण कृपा जिओ गीता परिवार ने गीता पाठ, भजन-सत्संग एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने धर्म एवं मानवसेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में 10 पौधे लगाए और उपस्थित लोगों ने उनकी देखभाल का

संकल्प लिया। योगाचार्य बिजेश जावला ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सूचना

मैं, राजेश कुमार पुत्र रोहताश निवासी गांव सोहीसड़ा तहसील लोहार जिला भिवानी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र मनीष (मन्नु) व पुत्रवधु वर्षा (टविंकल) मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनकी अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरे व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।



मिवानी। प्राकृतिक की पाठशाला शिविर में उपस्थित बच्चे व शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

बच्चों को जीवनोपयोगी शिक्षाओं का ज्ञान कराया

शिविर में 6 से 14 वर्ष के बच्चों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ►► मिवानी

सिंघानिया भवन, शिव नगर कॉलोनी, मिवानी में आयोजित आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक शिविर में “प्रकृति की पाठशाला” विषय पर आधारित इस शिविर में 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सात दिनों के दौरान बच्चों को श्रीमद्भागवत में वर्णित 24 गुरुओं से जीवनोपयोगी शिक्षाओं का ज्ञान कराया गया। इसके साथ ही योग, कीर्तन, जप, वैदिक कथाएं, नृत्य, नाटक, नैतिक मूल्य तथा कला एवं शिल्प जैसी विविध गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास का प्रयास किया गया। उक्त शिविर इस्कॉन बहादुरगढ़ के तत्वावधान में नित्यानंद आश्रय दास प्रभुजी के मार्गदर्शन तथा चंद्रचारु प्रभुजी की प्रेरणादायी अनुशरण में इस्कॉन भिवानी द्वारा गोपालस गार्डन स्कूल समर कैंप 2026 का छः दिवसीय आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक शिविर आयोजित हुआ। शिविर के समापन समारोह में बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भक्ति गीतों,

तुलसी के पौधे बांटे

समापन समारोह में सभी प्रतिभाग्य बच्चों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति-चिह्न के रूप में तुलसी के पौधे प्रदान किए गए। अभिभावकों ने इस पहल की सरहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा जताई। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल आयोजन सरोजकुंजी चंपकलतादेवी दासी, बिंदु सरोवर माता, आनंद प्रदायिनी माता, मीनू माता, हर्षिका माता, पीताम्बरी माता, पिकी माता, लक्ष्मना माता, पिकी सोनी माता के सहयोग से संपन्न हुआ।

नाट्य प्रस्तुतियों एवं विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आज के आधुनिक युग में बच्चों को केवल शैक्षणिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि नैतिक एवं आध्यात्मिक संस्कारों की भी आवश्यकता है। इस प्रकार के शिविर बच्चों की सकारात्मक सोच को बढ़ाने में सहायक होते हैं।

खबर संक्षेप

अधिवक्ता अशोक आर्य पर हमले का मामला दर्ज
लोहारू। लोहारू में एसडीएम कार्यालय के बाहर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता अशोक आर्य पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आठ नामजद सहित कुल 15 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि 4 जून 2026 को किसानों की फसल बीमा क्लेम से जुड़े कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने उन पर हमला किया और जमीन पर गिराकर गला दबाने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बचाया। बाद में उन्हें जान से मारने की धमकियां भी दी गईं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मतदाताओं के घर जाकर बाँटे मतदाता गंगांक पत्र
तोशाम। एसडीएम कम पंजीयन अधिकारी संदीप कुमार ने कहा कि एसआईआर के लिए बीएलओ मतदाताओं के घर द्वार पर जाकर मतदाता गंगांक पत्र बांटे। उन्होंने तोशाम विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं और राजनैतिक पार्टियों के पदाधिकारियों से आह्वान किया वे अपने परिवार का 2002 का भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी रिकार्ड जल्द उपलब्ध करवाएं। वहीं, एसडीएम ने आह्वान किया कि राजनैतिक दलों के पदाधिकारी बूथ एजेंटों से बीएलओ का मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम सहयोग करवाएं। राजकीय महिला कालेज में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निर्वाचन विभाग द्वारा आयोजित 58-तोशाम विस क्षेत्र से संबंधित मतदान स्तर बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ अवसर पर बूथ लेवल अधिकारियों से संबोधित कर रहे थे।

वन विभाग कर्मियों ने एसपी को सौंपा प्रदर्शन का नोटिस
भिवानी। अपनी न्यायसंगत मांगों को लेकर सरकार और विभाग के अड़ियल रवैये से खफा वन विभाग मजदूर यूनियन हरियाणा संबंधित सीटू एवं सर्व कर्मचारी संघ ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। सोमवार को यूनियन के पदाधिकारियों ने एक होकर भिवानी के पुलिस अधीक्षक को आगामी आंदोलन का लिखित नोटिस सौंपा। यह कदम जिला प्रधान धर्मैंद्र और जिला सचिव संजय कुमार के नेतृत्व में उठाया गया, जिसके बाद कार्रधारियों में अपने अधिकारों को लेकर एक नई ऊर्जा और रोष देखने को मिल रहा है।

समाधान समारोह अभियान की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 तक बढ़ी
भिवानी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) भिवानी के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पवन कुमार ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार समाधान समारोह विशेष अभियान के तहत मामलों को संदर्भित करने के लिए गुगल फॉर्म के माध्यम से आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई 2026 कर दी गई है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फ्यूमेंट ट्रेड मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के	रु. 2000/-
10 X 8 सें.मी	अन्तर के पृष्ठ पर	रु. 2500/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कोई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इन्फ्यूमेंट ट्रेड मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, लाहौरी : 9253681008

पं. नेकीराम शर्मा की 70वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

किसान सभा ने पंडित नेकीराम शर्मा की विरासत को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प



भिवानी। पंडित नेकीराम शर्मा को श्रद्धांजलि देते किसान सभा, दलित अधिकार मंच व अन्य संगठनों के कार्यकर्ता।

नेतृत्वकारी भूमिका निभाई। इसके अलावा वर्ष 1918 में बाल गंगाधर तिलक व ऐनी बेसेन्ट द्वारा शुरू किए होमरूल आंदोलन में पंडित नेकीराम उतर भारत के पहले नेता थे, जिनको अंग्रेज सरकार ने गिरफ्तार किया था। आजादी के आंदोलनों में पंडित नेकीराम को अंग्रेजों ने नौ बार गिरफ्तार किया और उन्होंने 2200 दिन जेल काटी तथा 250 दिन चक्की पीसने सहित अन्य कठोर कारावास का सामना करना पड़ा। आजादी के आंदोलन के साथ-साथ वे बड़े समाज सुधारक व किसान नेता भी थे। उन्होंने अंधविश्वास, जाति-पाति, छुआछूत, पर्दा प्रथा, बाल विवाह,

चारदिवारी निर्माण की मांग
वक्ताओं ने कहा कि नए प्रशासन को पंडित नेकीराम की आदमकद प्रतिमा परिसर की चारदिवारी का निर्माण अतिशोध करवाने की मांग की, क्योंकि ये मुद्दा समाधान शिविर में उठाने के बाद भी जान बूझकर इसकी अदेखी की जा रही है। इस अवसर पर किसान नेत्री संतोष देशवाल, महेंद्र पाल यादव, मास्टर शेरसिंह, रतनकुमार जिंदल, नरेश शर्मा, राजबीर कादिया, महेंद्र तंवर, महेंद्र प्रजापति, अमीरसिंह, राजेंद्र प्रजापति, रामचन्द्र सैनी, ईश्वर कौट, महाबीर फौजी, प्रतापसिंह सिंहमार व नरेंद्र धनवा आदि मौजूद रहे।

दहेज, मृत्यु भोज व शादियों में अत्याधिक खर्च व बेगार प्रथा के विरुद्ध सतत संघर्ष चलाया और उन्होंने विधवा विवाह का पक्ष लिया। पंडित नेकीराम ने अंग्रेज उपायुक्त के 25 मुर्खे 625 एकड़

जमीन देने के प्रलोभन को ये कहकर ठुकराया कि ये पूरा देश ही मेरा है, अंग्रेजों तुम मुझे क्या जमीन दोगे, मुझे जमीन देनी है तो इंग्लैंड में दो, ये तो मेरे अपने देश की जमीन है।

भाजपाइयों ने पं. नेकीराम शर्मा को दी श्रद्धांजलि

हरियाणा केसरी पंडित नेकीराम शर्मा ने जीवनभर अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया: रीतिक

हरिभूमि न्यूज ►►भिवानी
स्वतंत्रता सेनानी एवं हरियाणा केसरी पंडित नेकीराम शर्मा ने जीवनभर अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने अंग्रेज उपायुक्त के 25 मुर्खे 625 एकड़ जमीन देने के प्रलोभन को न केवल ठुकराया, बल्कि ये भी कहा कि ये पूरा देश ही मेरा है, अंग्रेजों तुम मुझे क्या जमीन दोगे, मुझे जमीन देनी है तो इंग्लैंड में दो, ये तो मेरे अपने देश की जमीन है। पंडित नेकीराम शर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने पंडित नेकीराम

ठाकुर पेमासिंह पालुवास ने वर्ष 1809 में काट दी थी कर्नल बाल अंग्रेज की गर्दन

वक्ताओं ने वर्ष 1857 से पहले वर्ष 1809 में ही ठाकुर पेमासिंह पालुवास ने अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। अंग्रेज सेना के कर्नल बाल अंग्रेज ने भिवानी को कब्जाने के लिए हमला किया था तब ठाकुर पेमासिंह झाऊजर के नवाब के सुरक्षा गार्ड थे। उन्होंने अपने साथियों के साथ घोड़ा एवं तलवार लेकर कर्नल बाल की सेना पर जोरदार चढ़ाई की और युद्ध में कर्नल बाल के हाथी पर चढ़कर तलवार से गर्दन काट दी थी और अनेक अंग्रेज सैनिकों का कत्ल किया। इस दौरान वारों तरफ घिरने के बाद उन्होंने आत्म समर्पण करने की बजाय अपनी ही तलवार से अपना सिर कात्म करके शहादत दी, ऐसे महान योद्धा की भिवानी में प्रतिमा लगानी चाहिए, ताकि युवा आत्म सम्मान एवं देशभक्ति की प्रेरणा ले सकें। उन्होंने मांग की कि स्कूली पाठ्यक्रम में पंडित नेकीराम शर्मा, ठाकुर पेमासिंह पालुवास व लाजपत राय अलखपुरा जैसे त्यागी लोगों की जीवनी शामिल करनी चाहिए, ताकि बच्चे उनके बारे में जान सकें।



भिवानी। पंडित नेकीराम शर्मा की प्रतिमा पर मालाएं करते कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

पं. नेकीराम चौक की दुर्दशा के खिलाफ बिफरे कांग्रेसी

पंडित नेकीराम शर्मा की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने ट्रिपल इंजन सरकार को घेरा
सरकार व प्रशासन के पास महापुरुषों की धरोहरों को संभालने का नहीं समय: जोगी

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी
महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित नेकीराम शर्मा की पुण्यतिथि पर भिवानी की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस पार्टी ने घंटाघर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया, वहीं शहर के ऐतिहासिक चौकों और स्मारकों की बदहाली को लेकर सरकार व स्थानीय प्रशासन के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। कांग्रेस ने सीधे तौर पर भाजपा के ट्रिपल इंजन मॉडल पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी के नेतृत्व में सोमवार को भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता घंटाघर चौक पर एकत्रित हुए थे। इस अवसर पर स्वर्गीय पंडित नेकीराम शर्मा के पड़पौत्र दिनेश कौशिक शास्त्री व पुरुषोत्तम शर्मा भी विशेष तौर पर मौजूद रहे। स्वतंत्रता सेनानी

स्वतंत्रता सेनानी के नाम से बने चौक की दुर्दशा

पंडित नेकीराम शर्मा जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी के नाम से बने चौक की दशा आज इतनी दयनीय हो चुकी है कि वहां से गुजरने वाले हर देशभक्त का सिर प्रशासन की नाकामी से झुक जाता है। जोगी ने कहा कि सरकार और प्रशासन के पास महापुरुषों की धरोहरों को संभालने का न समय है और न ही न्याय। ट्रिपल इंजन का दावा करने वाली सरकार में भिवानी का विकास पूरी तरह ठप पड़ा है और स्थानीय जनप्रतिनिधि जनता व इतिहास दोनों के प्रति अपनी जवाबदेही झूल चुके हैं।

पंडित नेकीराम शर्मा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद प्रदीप जोगी ने शहर के चौकों की दयनीय स्थिति पर गहरा रोष प्रकट किया। एससी सेल के प्रधान विरेंद्र वाल्मीकि, शिवकुमार चांगिया, बलबीर सरोहा, रवि सोलंकी, संजय गांधी, कैप्टन राममेहर जांगड़ा, श्यामलाल चारण, प्रकाश भाट, सुनील लिच्छ्मी, मुकेश प्रजापत, धीरज टिकनिया, डॉ. फूल सिंह धनाना, सूरज जांड, शिवा कलिंगा, शिवकुमार धानक आदि मौजूद रहे।



भिवानी। पंडित नेकीराम शर्मा को श्रद्धांजलि देते भाजपाई। फोटो: हरिभूमि

शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। भाजपा के पूर्व प्रदेश सहमंडिया प्रमुख रीतिक वधवा ने कहा कि पंडित नेकीराम शर्मा को देश के श्रेष्ठ नेता गोपाल कृष्ण गोखले,

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, पंजाब केसरी लाला लाजपतराय, बाबू सुरेंद्रनाथ बैनर्जी व महामना पंडित मदन मोहन मालवीय से मिलने का मौका मिला तथा उनके भाषणों से प्रेरणा मिली।

जेल भी गए

अंग्रेज सरकार ने 1907 में भगतसिंह, सरदार अजीत सिंह, लाला लाजपतराय को मॉडले जेल भेजना तथा 1908 में लोकमान्य तिलक पर अभियोग चलाना पंडित नेकीराम शर्मा को सहन नहीं हुआ और वे अंग्रेजी सरकार के घोर विरोधी बन गए। जब लोकमान्य तिलक को 6 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई तो पंडित नेकीराम ने एक दिन का उपवास रखा तथा प्रतिज्ञा की कि जब तक अंग्रेजीराज समाप्त नहीं हो जाता, तब तक जेल से नहीं बैठेंगे। इस अवसर पर किसान मोर्चा पूर्व जिला अध्यक्ष तिगड़ी, भूपेंद्र तिगड़ी, अजीत तिगड़ी, धर्मेंद्र अरोड़ा, विजय अरोड़ा, पंकज शर्मा व मुकेश कुमार ने भी पंडित नेकीराम शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

टीईटी के खिलाफ अध्यापक लामबंद आंदोलन की रूपरेखा तैयार की

भिवानी।भिवानी में राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक संगठन के जिला कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें जिले के सभी खंडों से पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान भूपेंद्र चाहर ने की, जबकि संचालन जिला सचिव सुमित शर्मा ने किया। बैठक में शिक्षकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई, विशेष रूप से टीईटी परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट के 13 मई 2026 के आदेश पर चिंता व्यक्त की गई।जिला प्रधान भूपेंद्र चाहर ने कहा कि आदेश के अनुसार शिक्षकों को 31 अगस्त 2028 तक टीईटी पास करना अनिवार्य किया गया है,



भिवानी। नारेबाजी करते शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

जिसे वे न्यायसंगत नहीं मानते। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार आरटीई अधिनियम 2017 में संशोधन कर देशभर के लगभग 25 लाख शिक्षकों को इस बाध्यता से छूट दे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने सकारात्मक कदम नहीं उठाए तो शिक्षक आंदोलन करने को

मजबूर होंगे।जिला सचिव सुमित शर्मा और कानूनी सलाहकार नानूराम ने भी आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने की बात कही। इस मौके पर अनिल सांगवान, संजय जांगड़ा, सिवानी बलबीर पूनिया, संजय बुशान, राजेश पूनिया, सतीश, संदीप ढोचक आदि मौजूद रहे।

समाधान की मांग

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कुलपति दीप्ति धर्माणी को सौंपा जापन

नेट और बीएड परीक्षा तिथियों में परिवर्तन की मांग

परीक्षा तिथियों के टकराव से छात्र परेशान, असमंजस की बनी स्थिति: बूरा

हरिभूमि न्यूज ►►भिवानी
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की बीएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाओं की कुछ तिथियां एक ही दिन निर्धारित होने पर कुलपति दीप्ति धर्माणी को जापन सौंपा। अभावपि ने जापन के माध्यम से अवगत करवाया कि अनेक विद्यार्थी ऐसे हैं जो बीएड की पढ़ाई के साथ-साथ नेट परीक्षा की तैयारी भी कर रहे हैं। विवि की बीएड परीक्षाओं



भिवानी। कुलपति को जापन सौंपते एबीवीपी के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

तथा नेट परीक्षा की कुछ तिथियां एक ही दिन होने के कारण विद्यार्थियों के सामने गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि परीक्षा तिथियों में परिवर्तन नहीं

किया तो अनेक विद्यार्थी दोनों परीक्षाओं में सम्मिलित होने से वंचित रह जाएंगे, जिससे उनके शैक्षणिक भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अभावपि के

विश्वविद्यालय इकाई मंत्री सलोनी सैनी ने कहा कि बीएड के अनेक विद्यार्थी नेट परीक्षा में भी सम्मिलित हो रहे हैं। दोनों परीक्षाओं की तिथियां समान होने के कारण विद्यार्थियों में चिंता का वातावरण है। अभावपि के जिला संयोजक रोहित बूरा ने कहा कि परिषद किसी भी विद्यार्थी को प्रशान्तिक असंतियों के कारण नुकसान नहीं होने देगी। विवि की कुलपति धर्माणी ने अभावपि के

प्रतिनिधिमंडल को आश्चर्य किया कि विद्यार्थियों के हित सर्वोपरि है तथा किसी भी विद्यार्थी को परीक्षा तिथियों के कारण समस्या नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विवि प्रशासन इस विषय पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर परीक्षा तिथियों में उचित परिवर्तन करेगा। इस दौरान अभावपि के नगर मंत्री रवि भारद्वाज, इकाई सह मंत्री प्रियांशी आदि उपस्थित रहे।

सामना न करना पड़े, जहां उन्हें एक परीक्षा के लिए दूसरी परीक्षा छोड़नी पड़े। उन्होंने विवि प्रशासन से छात्रहित में तत्काल प्रभाव से परीक्षा तिथियों में संशोधन करने की मांग की।



चेयरमैन एडवोकेट शंकर लाल धूपड़ का किया सम्मान

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के नव नियुक्त चेयरमैन एडवोकेट शंकर लाल धूपड़ का हिंदुस्तान स्काउट्स एण्ड गाइड्स हरियाणा के जिला सचिव एवं राजकीय हिंदी अध्यापक संघ, जिला महेंद्रगढ़ के अध्यक्ष राजेश शर्मा झाड़ली द्वारा पगड़ी पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं सम्मान किया गया। राजेश शर्मा झाड़ली ने चेयरमैन एडवोकेट शंकर लाल धूपड़ को नई जिम्मेदारी संभालने पर शुभकामनाएं दी हैं।